राजलदेसर में मकान से 10 लाख के जेवर और डेढ़ लाख की नकदी चोरी

छत के रास्ते मकान में दाखिल हुए बदमाश, पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए

राजलदेसर, (निसं)। कस्बे में चोरी की वारदात घटित हुई। वार्ड नंबर 17 में हाई स्कूल के पीछे स्थित एक मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपए का सामान और नकदी चोरी कर ली। चोर करीब 10 लाख रुपए कीमत का सोना-चांदी का सामान और 1 लाख 50 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गए। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 17, हाई स्कूल के पीछे निवासी पवन कुमार सोनी कुकरा के मकान में रात करीब 1:30 बजे अज्ञात चोर छत के रास्ते से घर में दाखिल हुए। इसके बाद चोरों ने घर के अंदर स्थित दुकान की तिजोरी को निशाना बनाया और उसमें रखी चांदी, सोने के सामान तथा नकदी पर हाथ साफ कर दिया। मकान मालिक पवन कुमार सोनी ने बताया कि वे चांदी के सामान बनाने का मजदूरी का कार्य करते हैं। चोरी की घटना से एक दिन पहले ही वे सामान तैयार करने के लिए चांदी लेकर आए थे। तिजोरी में 2 किलो फाइन चांदी, 3 किलो 400 ग्राम कच्ची चांदी, चांदी की 5 जोड़ी पायल, चांदी के 5 सिक्के, 10 ग्राम सोना तथा 1 लाख 50 हजार रुपए नकद रखे हुए थे। चोर इन सभी सामान को लेकर फरार हो गए। परिवार के अनुसार जिस समय चोरी की वारदात हुई, उस समय घर के सदस्य अपने कमरों में सो रहे थे। चोरों ने छत के रास्ते मकान में प्रवेश किया और वारदात को अंजाम देने के बाद उसी रास्ते से फरार हो गए। चोरी का पता चलने पर परिवार के लोगों के होश उड़ गए।

राजलदेसर में चोरी की वारदात के बाद सामान बिखरा पड़ा है।

- तिजोरी में रखी दो किलो फाइन चांदी, तीन किलो 400 ग्राम कच्ची चांदी सहित सोने-चांदी के आभूषण चोरी

चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया।

पुलिस ने घर एवं आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए संभावित साक्ष्य जुटाए और परिवार के सदस्यों से घटना की जानकारी ली। पुलिस द्वारा अज्ञात चोरों की तलाश और मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद परिवार में गहरा रोष और दुख है। वहीं, वार्ड में भी चोरी की वारदात को लेकर लोगों में चिंता का माहौल है। वार्ड के लोगों ने पुलिस से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने तथा चोरी की वारदात का जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। हालांकि आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं।

हथियारों के साथ घूम रहे दो बदमाश गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। संगठित अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रागपुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो विधि से संघर्षरत बालकों को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो देशी कट्टे और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके साथ ही वारदात में प्रयुक्त बिना नंबर की बोलेरो कैंपर को भी जब्त किया गया है।

- दो विधि से संघर्षरत बालक निरुद्ध, दो देशी कट्टे, दो जिंदा कारतूस और कैंपर जब्त

प्रागपुरा थाना पुलिस ने अवैध हथियार बरामद किये।

जानकारी के लिये अवैध हथियारों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए प्रागपुरा थानाधिकारी भजनाराम, पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। पुलिस के अनुसार 3 सितंबर को थाना प्रागपुरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सालासर क्रशर, बुचारा के पास एक सफेद रंग की बिना नंबर की कैंपर घूम रही है, जिसमें 3-4 संदिग्ध व्यक्ति बैठे हैं। उनके पास हथियार होने की आशंका है और वे किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने की फिराक में हो सकते हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थानाधिकारी भजनाराम पुलिस टीम के साथ मौके के लिए रवाना हुए। पुलिस ने सालासर क्रेशर बुचारा के पास पहुंचकर वाहन की तलाश शुरू की। इसी दौरान कैंपर के भूरी भड़ाज की ओर जाने की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने वाहन का पीछा किया तो चालक कैंपर को तेज गति से भगाते हुए भूरी भड़ाज से घालेड़ा होते हुए ढाणी रामनगर और सोता नदी की ओर ले गया। इसी दौरान कैंपर का टायर फट गया। वाहन सवार उसे मौके पर छोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर सभी संदिग्धों को डिटेन कर लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से दो देशी कट्टे और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।

पूछताछ में आरोपियों की पहचान गगन सैनी (20) निवासी सरूण्ड, थाना प्रागपुरा तथा करण जांगिड उर्फ गोलू (21) निवासी बामला, थाना सदर भिवानी, हरियाणा के रूप में हुई। इनके साथ दो विधि से संघर्षरत बालक भी मिले, जिन्हें निरुद्ध किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों गगन सैनी पुत्र संजय कुमार माली, निवासी बस स्टैंड के पास सरूण्ड, थाना प्रागपुरा, जिला कोटपूतली-बहरोड़, करण जांगिड़ उर्फ गोलू पुत्र सतीश जांगिड़, निवासी बामला, थाना सदर भिवानी, जिला भिवानी, हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया तथा हथियारों और घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की बोलेरो कैंपर को कब्जे में ले लिया। मामले में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है। पुलिस अब आरोपियों से बरामद हथियारों के स्त्रोत, इनके आपराधिक नेटवर्क तथा किसी संभावित वारदात की योजना के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

भीलवाड़ा में खाद्य सुरक्षा टीम ने 25 किलो दूषित मिल्क केक नष्ट करवाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार जिले में आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण एवं सैम्पलिंग की कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भण्डार, कोटड़ी चौराहा, सवाईपुर का निरीक्षण कर गुलाब जामुन एवं मिल्क केक के नमूने लिए। निरीक्षण के दौरान 25 किलोग्राम दूषित मिल्क केक पाया गया, जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया। इसी प्रकार पारवानी ट्रेडर्स, त्रिवेणी चैराहा से मिर्च पाउडर एवं हल्दी पाउडर के नमूने लिए गए। सभी नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला, अजमेर भेजा गया है। प्रयोगशाला से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानकों के अनुरूप नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक यादव एवं साक्षी जैन मौजूद रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि जिले में मिलावटखोरी एवं अस्वच्छ खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए निरीक्षण एवं सैम्पलिंग की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य आमजन को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। उन्होंने आमजन से अपील की कि खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी गुणवत्ता, पैकेजिंग, निर्माण एवं समाप्ति तिथि की जांच अवश्य करें। किसी भी प्रकार की मिलावट की आशंका होने पर खाद्य सुरक्षा विभाग के कार्यालय के दूरभाष नंबर पर सूचना दी जा सकती है।

सैन्यकर्मी को युवती ने ब्लैकमेल का शिकार बनाया

जोधपुर, (कासं)। जिला पूर्व में एक सैन्यकर्मी को युवती से दोस्ती करनी अब भारी पड़ रही है। युवती उसे ब्लैकमेल पर उतर आई है और केसबाजी के लिए धमका रही है। तंग व परेशान होकर सैन्यकर्मी ने उसके बैंक खाते में 50 हजार रूपए डाले। वह ब्लैकमेल कर अब और धमका रही है। पीड़ित सैन्यकर्मी की तरफ से बनाड़ थाने में इस बाबत केस दर्ज कराया गया है। पुलिस ने अब इसमें जांच आरंभ की है। मामले में हनी ट्रेप की भी आशंका जताई जाती है।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि पीड़ित सैन्यकर्मी की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि उसकी जान पहचान तकरीबन दो साल पहले एक युवती से हुई थी। जिस पर दोस्ती होने के साथ वह उससे व्यक्तिगत मिला था। अब युवती अपने किसी परिचित के साथ मिलकर उसे ब्लैकमेल कर रही है। वह दो लाख की डिमाण्ड कर रही थी। तब तंग और परेशान होकर उसने 50 हजार रूपए उसके खाते में डाल दिए। युवती उसे केसबाजी में फंसाने की धमकी देकर और डिमाण्ड कर रही है। पुलिस ने बताया कि सैन्यकर्मी की तरफ से रिपोर्ट दी गई है, जिस पर अब जांच आरंभ की गई है। युवती जोधपुर की ही रहने वाली बताई जाती है।

खेतों से मोटर व केबल चुराने वाला गिरोह पकड़ा

पुलिस ने छह शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया

भीलवाड़ा, (निसं)। आसीन्द थाना क्षेत्र में किसानों के कुओं एवं ट्यूबवेलों से सिंचाई की मोटर और केबल चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का आसींद थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरोह के 6 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने कड़ाई से की गई पूछताछ में आसींद थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से करीब 20 चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

- पूछताछ में 20 चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया

पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त को पीड़ित गौरीशंकर पिता रामेश्वर व्यास, निवासी ब्राह्मणों की सरेरी थाना आसींद ने मामला दर्ज कराया था। पीड़ित ने रिपोर्ट में बताया कि 11 अगस्त की शाम जब वे खेत पर गए तो बोरिंग की 3 एचपी सीआरआई मोटर तथा 354 फीट लंबी केबल गायब थी। अज्ञात चोर पाइप काटकर मोटर-केबल चुरा ले गए थे। इस शिकायत के बाद क्षेत्र में दर्ज अन्य समान चोरी की शिकायतों को मिलाकर पुलिस ने 4 केस दर्ज कर गहन जांच शुरू की। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के नेतृत्व में थानाधिकारी श्रद्धा पचौरी की टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने सादा वस्त्रों में रात्रिकालीन विशेष गश्त शुरू की। गश्त के दौरान संदिग्ध अवस्था में घूम रहे 6 व्यक्तियों को हिरासत में लेकर जब पूछताछ की गई, तो उन्होंने चोरी की करीब 20 वारदातों का खुलासा कर दिया। पुलिस ने छहों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है और चोरी का माल बरामद करने के लिए गहन पूछताछ जारी है। पुलिस ने आरोपी मोहन बागरिया, गोपाल बागरिया, प्रकाश बागरिया, पोखर बागरिया, सावरिया उर्फ सांवरलाल बागरिया, रामस्वरूप बागरिया को गिरफ़्तार किया।

छह माह से फरार शातिर लुटेरा गिरफ्त में

भीलवाड़ा, (निसं)। कोटड़ी थाना पुलिस ने क्षेत्र में चाकू की नोक पर वृद्ध महिला से लूट करने के मामले में पिछले 6 माह से फरार चल रहे शातिर बदमाश विशाल उर्फ विकास मोग्या को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

मामला 9 फरवरी का है, जब कोटड़ी थाना क्षेत्र के जैतपुर रोड पर एक वृद्ध महिला को चाकू दिखाकर सोने का रामनामी मांदलिया लूट लिया गया था। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में चलाई जा रही कार्रवाई के तहत, कोटड़ी थानाधिकारी गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने इस वारदात के दूसरे आरोपी विशाल उर्फ विकास (19) निवासी भाणुजा डांग, थाना निकुम्भ, जिला चित्तौड़गढ़ को मांडलगढ़ सब जेल से प्रॉडक्शन वारंट पर प्राप्त किया। पूछताछ के बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। मामले में पुलिस पूर्व में ही 9 अप्रैल को मुख्य आरोपी गोवर्धन मोग्या को गिरफ्तार कर लूटा हुआ माल बरामद कर चुकी है।

खिलौने बेचने वाले ने झील में कूदी युवती को बचाया

फतहसागर झील की पहली छतरी पर आकर पानी में कूद गई थी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर की फतहसागर झील पर शुक्रवार दोपहर एक और हादसा होते बच गया। पाल पर साइकिल पर अपनी छोटी सी खिलौने की दुकान लगाने वाले मुकेश ने साहस का परिचय देते हुए पानी में छलांग लगा युवती को बचा लिया।

जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 2.30 बजे एक युवती फतहसागर झील की पहली छतरी की तरफ दौड़ती हुई आई और पानी में छलांग लगा दी। छलांग लगाने के साथ ही वहां मौजूद पर्यटकों ने जब युवती को डूबते हुए देखा तो चिल्लाने लगे। इस पर पास ही खिलौने की दुकान लगाने वाले मुकेश वैष्णव दौड़ते हुए वहां पहुंचे और कपड़ों सहित पानी में कूद गए और युवती पानी में डूबती इससे पहले उसे बचा लिया है। ज्ञातव्य है कि कुछ दिन पूर्व ही इसी तरह एक युवती मुंबईयां बाजार के समीप फतहसागर झील में कूद गई थी जिसे भी सुरक्षित बचा लिया गया था।

मुकेश ने अब तक छह से सात जिंदगियों को बचाया है और जिला स्तर पर उनके इस साहस को लेकर सम्मान भी हो चुका है। झील में आए दिन होने वाली डूबने की घटनाओं को देखते हुए उन्होंने सुरक्षा के लिए अपने पास रस्सी, टॉर्च, टायर, ट्यूब सहित जरूरी सामग्री रखना शुरू कर दिया है। मुकेश स्वयं उपवास पर थे, इसके बावजूद एक पल भी पीछे हटने के बारे में नहीं सोचा। उनकी इस बहादुरी और मानवीय संवेदना की मौके पर मौजूद लोगों ने सराहना की। मुकेश वैष्णव प्रतिदिन फतहसागर की पाल पर खिलौने की दुकान लगाते हैं। मुकेश का कहना है कि किसी की जान बचाने से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

दिनदहाड़े घर के ताले तोड़कर छह तोला सोने के आभूषण चोरी

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती लूणी थाना क्षेत्र के उत्तेसर गांव में अज्ञात चोर एक मकान के ताले तोड़कर करीब 6 तोला सोने के आभूषण चोरी कर ले गए। वारदात उस समय हुई, जब मकान मालिक की पत्नी बच्चों से मिलने जोधपुर आई हुई थी। घर की देखरेख पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार करते थे।

लूणी पुलिस ने बताया कि सेनई रोड, उत्तेसर निवासी भगाराम चौधरी पुत्र तुलछाराम ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उनका गांव में भी मकान है और परिवार के कुछ लोग जोधपुर में रहते हैं। 31 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे उनकी पत्नी बच्चों से मिलने जोधपुर आई थी।

- वारदात के समय मकान मालिक की पत्नी बच्चों से मिलने जोधपुर आई हुई थी

घर के मुख्य कमरों की चाबियां भी वह अपने साथ जोधपुर ले आई थी, जबकि बाहर लॉबी की चाबी पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार के पास थी। 2 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे रिश्तेदार की पत्नी घर पहुंची तो उस समय सब कुछ व्यवस्थित था। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे दोबारा घर पहुंचने पर मुख्य कमरों के ताले टूटे मिले और सामान बिखरा हुआ था। सूचना मिलने पर भगाराम चौधरी की पत्नी ने उन्हें फोन किया। उस समय वह बालोतरा में थे। उन्होंने तत्काल लूणी पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उनकी पत्नी करीब 4 बजे गांव पहुंची और घर की जांच की तो सोने का रखड़ी सेट करीब 4 तोला और कंठी करीब 2 तोला गायब मिली। अज्ञात चोर ताले तोड़कर आभूषण चोरी कर ले गए। सूचना मिलने पर पुलिस करीब 5 बजे मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। जांच अब एएसआई भगवानराम की तरफ से की जा रही है।

गांजा सहित महिला गिरफ्त में

कोटा, (निसं)। कैथून व डीएसटी टीम ने ग्रामीण इलाके में संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा 3.165 किलोग्राम सहित महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि कैथून थानाधिकारी मनोज सिकरवार के नेतृत्व में कैथून पुलिस व डीएसटी टीम ने इलाके में संयुक्त रूप से ताथेड़ पुलिया के नीचे सुल्तानपुर रोड पर कार्यवाही करते हुए एक महिला पर संदेह होने पर डिटेन कर तलाशी ली तो तलाशी के दौरान महिला हसीना के पास से 3.165 किलोग्राम गांजा मय बारदाना बरामद किया।

युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के मसूरिया नट बस्ती एरिया में एक युवक ने अत्यधिक शराब का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

देवनगर पुलिस ने बताया कि मध्यप्रदेश के मंदसौर स्थित सुरजना शामगढ़ निवासी सौदानसिंह की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई नारायण सिंह यहां जोधपुर में रहकर मजूदरी करता था। उसने मसूरिया नट बस्ती एरिया में ठेके से शराब लेकर ज्यादा सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई।

राज्य उपभोक्ता आयोग के बीमा कंपनी के विरुद्ध आदेश पारित

जोधपुर, (कासं)। राज्य उपभोक्ता आयोग की जोधपुर पीठ ने महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा कि यदि बीमित व्यक्ति की मृत्यु का संबंध किसी पूर्व बीमारी से नहीं होकर स्वाभाविक मृत्यु हुई है, तो बीमा कंपनी केवल पूर्व में हुई बीमारी का हवाला देकर बीमा दावा अस्वीकार नहीं कर सकती। आयोग ने बजाज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी की अपील खारिज करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय को सही माना।

मामले में बजाज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने सिरोही जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय के विरुद्ध राज्य आयोग में अपील प्रस्तुत की थी। बीमा कंपनी का कहना था कि बीमित तलकराम जून 2012 से दिसंबर 2012 तक क्षय रोग से पीड़ित रहा था। वर्ष 2015 में बीमा पॉलिसी लेते समय उसने इस बीमारी की जानकारी छिपाई थी। वर्ष 2015 में उसकी मृत्यु के बाद इसी आधार पर बीमा दावा अस्वीकार किया गया। वहीं, बीमित के पुत्र की ओर से आयोग को बताया गया कि उनके पिता ने दिसंबर 2012 तक करीब छह माह तक क्षय रोग का उपचार जरूर लिया था, लेकिन उपचार के बाद वे पूरी तरह स्वस्थ हो गए थे और उनका वजन भी बढ़ गया था। जनवरी 2015 में बीमा पॉलिसी ली गई थी तथा पिता की मृत्यु स्वाभाविक रूप से हुई थी। इसलिए परिवार करीब 11 लाख रुपए की दावा राशि पाने का अधिकारी है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र कच्छावाहा एवं सदस्य लियाकत अली ने अपने निर्णय में कहा कि बीमित की मृत्यु का संबंध पूर्व बीमारी से होने का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है। बीमा कंपनी की ओर से वर्ष 2012 के बाद बीमित द्वारा बीमारी का कोई उपचार करवाए जाने संबंधी दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किया गया। जांच अधिकारी की ओर से किसी चिकित्सक अथवा एएनएम के बयान या शपथपत्र भी पेश नहीं किए गए। आयोग ने इन तथ्यों के आधार पर बीमा कंपनी की अपील अस्वीकार करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय को बरकरार रखा और बीमा दावा देने के आदेश को सही माना। बीमा कंपनी की ओर से अधिवक्ता शिवांग सोनी तथा विपक्षी की ओर से अधिवक्ता हिमांशु ने पैरवी की।

- स्वाभाविक मृत्यु पर बीमा कंपनी को दावा राशि देनी होगी

प्रागपुरा से लापता भाजपा प्रत्याशी दिल्ली से सकुशल दस्तयाब

पुलिस ने बुद्धाराम गढ़वाल को मेडिकल जांच के बाद परिजनों को सौंपा

पावटा, (निसं)। नगर निकाय चुनाव के बीच पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका के वार्ड नंबर 32 से भाजपा प्रत्याशी बुद्धाराम गढ़वाल के अचानक लापता होने से क्षेत्र में सियासी हलचल तेज हो गई थी। करीब दो दिन तक चले घटनाक्रम के बाद प्रागपुरा थाना पुलिस ने भाजपा प्रत्याशी को धौला कुआं, नई दिल्ली स्थित बस स्टैंड से सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने मेडिकल करवाने के बाद उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार भाजपा प्रत्याशी बुद्धाराम गढ़वाल 1 सितंबर को शाम करीब 4 बजे अचानक लापता हो गए थे। परिजनों की ओर से प्रागपुरा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाए जाने के बाद पुलिस की विभिन्न टीमों ने उनकी तलाश शुरू की। चुनावी समय में प्रत्याशी के लापता होने की सूचना सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। भाजपा प्रत्याशी की तलाश को लेकर 3 सितंबर को वार्ड नंबर 32 से कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश देवी अपने परिवार के साथ प्रागपुरा थाना परिसर में धरने पर बैठ गईं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं एवं प्रत्याशी ने विराटनगर डीवाईएसपी विराटनगर उमेश निठारवाल तथा प्रागपुरा थाना अधिकारी भजनाराम को ज्ञापन सौंपते हुए भाजपा प्रत्याशी को जल्द दस्तयाब करने की मांग की थी। साथ ही निष्पक्ष जांच और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 9 सितंबर को मतदान कराने की मांग भी उठाई गई थी।

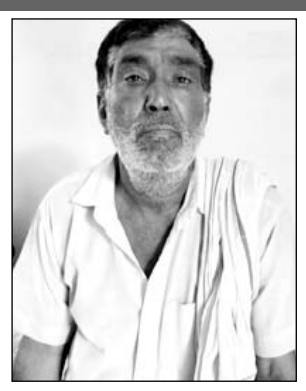

दस्तयाब भाजपा प्रत्याशी

- भाजपा प्रत्याशी की तलाश को लेकर वार्ड नंबर 32 से कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश देवी अपने परिवार के साथ प्रागपुरा थाना परिसर में धरने पर बैठी थी
- पुलिस के अनुसार पूछताछ में बुद्धाराम गढ़वाल ने बताया कि वह एक सितंबर को अपनी इच्छा से स्वयं गए थे

प्रागपुरा थाना अधिकारी भजनाराम चौधरी ने बताया कि पुलिस टीम ने भाजपा प्रत्याशी बुद्धाराम गढ़वाल को 3 सितंबर की रात करीब 2:30 बजे धौला कुआं, नई दिल्ली बस स्टैंड से दस्तयाब किया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में बुद्धाराम गढ़वाल ने बताया कि वह 1 सितंबर को अपनी इच्छा से स्वयं गए थे। उन्होंने पुलिस को दिए बयान में कहा कि उन पर किसी प्रकार का दबाव नहीं था और न ही किसी अन्य कारण से उन्हें ले जाया गया था। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए बुद्धाराम गढ़वाल का मेडिकल करवाया और इसके बाद उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया। नगरपालिका चुनाव के मतदान से कुछ दिन पहले भाजपा प्रत्याशी के लापता होने और फिर दिल्ली से दस्तयाब होने के घटनाक्रम ने वार्ड नंबर 32 के चुनावी मुकाबले को खासा चर्चित बना दिया। अब भाजपा प्रत्याशी के पुलिस बयान के बाद पूरे मामले को लेकर चल रही विभिन्न अटकलों पर भी विराम लगने की उम्मीद है।

छात्रावासों में संचालित भोजन व्यवस्था को लेकर शिकायत सामने आई

राजकीय महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर के छात्रावासों का मामला

अजमेर, (निसं)। राजकीय महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर के छात्रावासों में संचालित भोजन व्यवस्था को लेकर गंभीर शिकायत सामने आई है। करीब 400 छात्राओं को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता एवं मेस संचालन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आदर्श नगर निवासी हेमराज रावत ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर पूरे मामले की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन की कथित लापरवाही के कारण छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण एवं गर्म भोजन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उनका कहना है कि पहले कॉलेज में दो अलग-अलग मेस संचालित होती थीं, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में करीब 400 छात्राओं का भोजन एक ही स्थान पर तैयार कर दोनों मेस तक पहुंचाया जा रहा है। इससे भोजन के ठंडा होने और गुणवत्ता प्रभावित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि छात्राओं को कई बार ठंडी एवं सूखी रोटियां परोसी जाती हैं। भोजन को गर्म रखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने की बात भी कही गई है। शिकायतकर्ता के अनुसार भोजन की गुणवत्ता को लेकर छात्राओं की ओर से बार-बार शिकायतें किए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। हेमराज रावत ने कहा कि महिला छात्रावास में रहने वाली छात्राओं को स्वच्छ, पौष्टिक और गर्म भोजन उपलब्ध कराना कॉलेज प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि छात्राओं को खराब गुणवत्ता का भोजन मिल रहा है तो यह गंभीर विषय है और इसकी तत्काल जांच आवश्यक है। शिकायतकर्ता ने मेस ठेके की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज की प्राचार्य द्वारा कथित रूप से पसंदीदा ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मेस संचालन का ठेका दिलाया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि मेस ठेके से संबंधित निविदा प्रक्रिया, पात्रता, नियम, दस्तावेजों तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही यदि किसी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

शिकायत में महिला छात्रावास होने के बावजूद मेस ठेकेदार के पास पर्याप्त संख्या में महिला कर्मचारी उपलब्ध नहीं होने का आरोप भी लगाया गया है। इसे प्रशासनिक और सुरक्षा से जुड़ा विषय बताते हुए इसकी भी जांच कराने की मांग की गई है।शिकायतकर्ता ने मांग की कि जांच पूरी होने तक छात्राओं के भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी व्यवस्था की जाए तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।